हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 93 | देहरादून, शनिवार, 30 सितंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

मुख्यमंत्री धामी ने मुझ जैसे दरवेश पर भरोसा किया है, निराश नहीं करूंगा : मुफ्ती शमून क़ासमी 3

12500 करोड़ के निवेश प्रस्तावों के साथ लौटे मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री कार्यालय में उत्तराखण्ड अप्रवासी सेल बनाया जायेगा : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नयी दिल्ली , 30 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यू.के. दौरे से नई दिल्ली आगमन के बाद मीडिया से औपचारिक वार्ता करते हुए कहा कि यू.के. में आयोजित विभिन्न बैठकों में राज्य में लगभग 12 हजार 05 सौ करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर करार हुआ। उन्होंने कहा कि अपने अप्रवासी भाई-बहनों और उत्तराखंड सरकार के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करने तथा उनके निवेश प्रस्तावों पर त्वरित कार्यवाही करने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में एक उत्तराखण्ड अप्रवासी सेल बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रिटेन के पर्यटन मंत्री के साथ उत्तराखंड और ब्रिटेन के बीच पर्यटकों की आवाजाही बढ़ाने हेतु कार्ययोजना बनाने के लिए सहमति भी बनी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 25 सितम्बर को देहरादून से दिल्ली और फिर दिल्ली से हीथ्रो एयरपोर्ट की यात्रा के पश्चात हीथ्रो एयरपोर्ट पर जिस प्रकार उत्तराखंड के प्रवासियों ने गर्मजोशी से उत्तराखंडी रीति रिवाजों और वाद्य यंत्रों के साथ स्वागत किया, वह अपने आप में भाव विभोर करने वाला पल था। उसी शाम लंदन में उत्तराखंड के प्रवासी भाई-बहनों ने स्वागत के लिए सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया ऐसा लग रहा था कि वे लंदन में नहीं बल्कि उत्तराखंड के ही किसी शहर में अपने उत्तराखंडी भाई बहनों से मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 सितंबर को फ्रांस के पोमा ग्रुप के साथ हुई बैठक में उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्रों और सुदूर क्षेत्रों को रोपवे द्वारा जोड़ने तथा जन परिवहन की दृष्टि से इस माध्यम को प्रयोग में लाने के लिये 02 हजार करोड़ रुपए का करार किया गया। पोमा ग्रुप द्वारा राज्य में देश का पहला रोपवे मैन्युफैक्चरिंग पार्क विकसित किए जाने के संदर्भ में संभावनाएं तलाशने हेतु कार्य करने का भी प्रस्ताव दिया गया। उसके बाद इंग्लैंड में स्थित भारतीय दूतावास में पर्यटन क्षेत्र की विभिन्न गतिविधियों में शामिल लोगों के साथ बैठक में उत्तराखंड में पर्यटन गतिविधियों में तेजी लाने हेतु कार्ययोजना पर मंथन किया गया तथा उन्हें प्रदेश की नई पर्यटन नीति के संबंध में जानकारी दी गई।

यू.के. में विभिन्न प्रस्तावों पर हुए करार के बारे में सीएम ने दी जानकारी

इसके बाद उत्तराखंड में विभिन्न स्थानों पर केबल कार परिवहन व्यवस्था विकसित करने तथा औली, दयारा बुग्याल और मुनस्यारी में शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देने हेतु विंटर स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन विकसित किए जाने हेतु सहमति जताते हुए अमेरिका के के.एन. ग्रुप के साथ 4800 करोड़ रुपए का निवेश करार किया गया। ब्रिटिश पार्लियामेंट के लार्ड मेयर तथा बर्मिंघम विश्वविद्यालय के कुलपति बिली मोरया के साथ हुई बैठक में उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं के विषय में चर्चा की गई। उनके द्वारा उत्तराखंड में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाने हेतु सहमति जताई गई। उत्तराखण्ड में निवेश हेतु विभिन्न कंपनियों के 80 डेलिगेशनों के साथ ही सघन बैठक (लंदन रोड शो) में लगभग 1250 करोड़ रूपये के प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किये गये।

इसके बाद उत्तराखंड में विभिन्न स्थानों पर केबल कार परिवहन व्यवस्था विकसित करने तथा औली, दयारा बुग्याल और मुनस्यारी में शीतकालीन खेलों को बढ़ावा देने हेतु विंटर स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन विकसित किए जाने हेतु सहमति जताते हुए अमेरिका के के.एन. ग्रुप के साथ 4800 करोड़ रुपए का निवेश करार किया गया। ब्रिटिश पार्लियामेंट के लार्ड मेयर तथा बर्मिंघम विश्वविद्यालय के कुलपति बिली मोरया के साथ हुई बैठक में उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं के विषय में चर्चा की गई। उनके द्वारा उत्तराखंड में एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाने हेतु सहमति जताई गई। उत्तराखण्ड में निवेश हेतु विभिन्न कंपनियों के 80 डेलिगेशनों के साथ ही सघन बैठक (लंदन रोड शो) में लगभग 1250 करोड़ रूपये के प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किये गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 27 सितंबर को ब्रिटेन के ऐतिहासिक शहर और औद्योगिक व शिक्षा के केंद्र के रूप में विख्यात बर्मिंघम शहर में आयोजित, उत्तराखंड में निवेश हेतु विभिन्न कंपनियों के 250 डेलिगेशनों के साथ हुई सघन बैठक (बर्मिंघम रोड शो) में लगभग 1500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गए। 28 सितंबर को ब्रिटेन में कार्यरत विभिन्न उद्योग समूहों के साथ हुई बैठक में पर्यटन एवं विनिर्माण क्षेत्रों में हुए करार के अंतर्गत 3300 करोड़ रुपए के अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए। जर्मन एंबेसी के अधिकारियों के साथ बैठक में जर्मनी द्वारा तकनीकी शिक्षा तथा कौशल विकास के संबंध में उत्तराखंड को सहयोग देने के साथ-साथ हमारे कुशल कर्मकारों को जर्मनी में कार्य करने हेतु बुलाने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। लंदन नगर निगम के लार्ड मेयर के साथ उत्तराखंड के आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए वित्तीय व्यवस्था के संबंध में बॉन्ड मार्केट से फंड रेज्ड करने हेतु तकनीकी सहयोग के लिये में बैठक हुई।

डेंगू से बचाव करेगा डीएम सोनिका का ये महाअभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून दिनांक 30 सितंबर ,शहर में जिलाधिकारी सोनिका द्वारा गठित डेंगू पर प्रभावी नियंत्रण एवं जन-जागरूता टीम एवं जिला स्तरीय अधिकारियों ने अपने-2 वार्डों एवं कार्यक्षेत्रों में पहुचकर डेंगु मच्छर के प्रसार, लार्वा का निरीक्षण एवं करते हुए जन-जागरूकता अभियान चलाया। वार्ड नम्बर 94 में सहायक निदेशक सूचना के नेतृत्व टीम द्वारा डेंगू मलेरिया, सघन अभियान चलाया गया, इस दौरान द्वारा लार्वा सर्वे करते हुए प्रचार सामाग्री वितरण, फॉगिंग, लाउडस्पीकर के माध्यम से डेंगू के बारे में लोगों को जागरूकता करते हुए, घरों/प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान लापरवाही रखने वालो पर रू0 38 हजार का अर्थदण्ड लगाया गया।

वार्ड नम्बर 94 की टीम द्वारा सहायक निदेशक/जिला सूचना अधिकारी के नेतृत्व में सघन अभियान चलाया गया, नर्सरी में बाल्टी में जमा पानी में लार्वा पाए जाने पर नर्सरी संचालक रियाज का रू0 1 हजार का नकद चालान किया गया। आम्रपाली होटल/रेस्टोरेंट की छत पर रखे डिब्बे में जमा पानी में लार्वा पाए जाने तथा छत पर रखी टंकी पर ढक्कन न होने पर रू0 05 हजार का नकद चालान किया गया। काम्पलेक्स भवन में रखी 03 टंकियों में ढक्कन न होने एक डिब्बे व वेस्टर्न टॉयलेट सीट पर लार्वा पाए जाने पर काम्लेक्स स्वामी पर रू0 11 हजार का नकद चालान किया गया। वही एक निर्माणधीन भवन में दो होद्दी में पुराना जमा पानी में लार्वा पाए जाने पर होद्दी को पम्प द्वारा खाली कराया गया तथा भवन स्वामी पर रू0 21 हजार का चालान भवन पर चस्पा किया गया।

निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी ने जनमानस को जागरूक करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे डेंगू /मलेरिया उन्मूलन एवं रोकथाम हेतु जिलाधिकारी द्वारा जिला प्रशासन, स्वास्थ्य, नगर निगम के अधिकारियों की टीम बनाई गई है जो वार्डवार जाकर लोगों को जागरूक कर रही हैं डेंगू के लार्वा का नष्ट कर रही है। उन्होंने सभी लोगों से अनुरोध किया जिला प्रशासन द्वारा चलाई जा रहे इस महा अभियान में सहयोग करे डेंगू की रोकथाम एवं बचाव सहयोग करें। कहा कि अपने आसपास एवं घरों में सफाई रखें तथा अपने घर में बर्तनों में ,खुले में पानी जमा न होने दें गमले, आदि का निरीक्षण कर लें ताकि डेंगू का लार्वा न पनपे अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक रखें। इस अवसर पर डेंगू मलेरिया अधिकारी डॉ सुभाष जोशी ने लोगों से अपने घरों में पानी जमा न होने देने तथा खाली बर्तनों को उल्टा रखने, घरों के आसपास पानी एकत्रित न होने को कहा। डेंगू मॉनिटिरिंग नोडल चिकित्साधिकारी डॉ प्रदीप राणा ने डेंगू के लक्षण एवं बचाव के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए सतर्कता बरतने को कहा...

इस अवसर पर सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, जिला डेंगू मलेरिया अधिकारी सुभाष जोशी,डेंगू मॉनिटिरिंग नोडल चिकित्साधिकारी डॉ प्रदीप राणा, सैनेट्री सुपरवाईजर अनंत विभोर आदि उपस्थित रहे।

कनाडा से बेहतर और सस्ती पढ़ाई वाले देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , हर साल लाखों भारतीय विद्यार्थी विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाते हैं। जिसमें छात्राओं की तादाद भी काफी होती है। कनाडा को प्रमुख तौर पर भारतीयों की ओर से तरजीह दी जाती है। लेकिन अब खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। जिसका कारण है वहां के पीएम की ओर से भारत के खिलाफ गंभीर आरोप लगाना।

कनाडा से लगातार बिगड़ रहे रिश्ते कहीं न कहीं उन भारतीय विद्यार्थियों की चिंता बढ़ा रहे हैं, जो कनाडा में जाकर पढ़ाई करने की सोच रहे हैं। लेकिन भारतीयों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। खबर में आगे विस्तार से छह उन खास देशों के बारे में बताया जा रहा है। जहां विद्यार्थी आसानी से आवेदन कर जा सकते हैं। उनको वहां पर कनाडा से सस्ती और बेहतर शिक्षा मिलेगी।

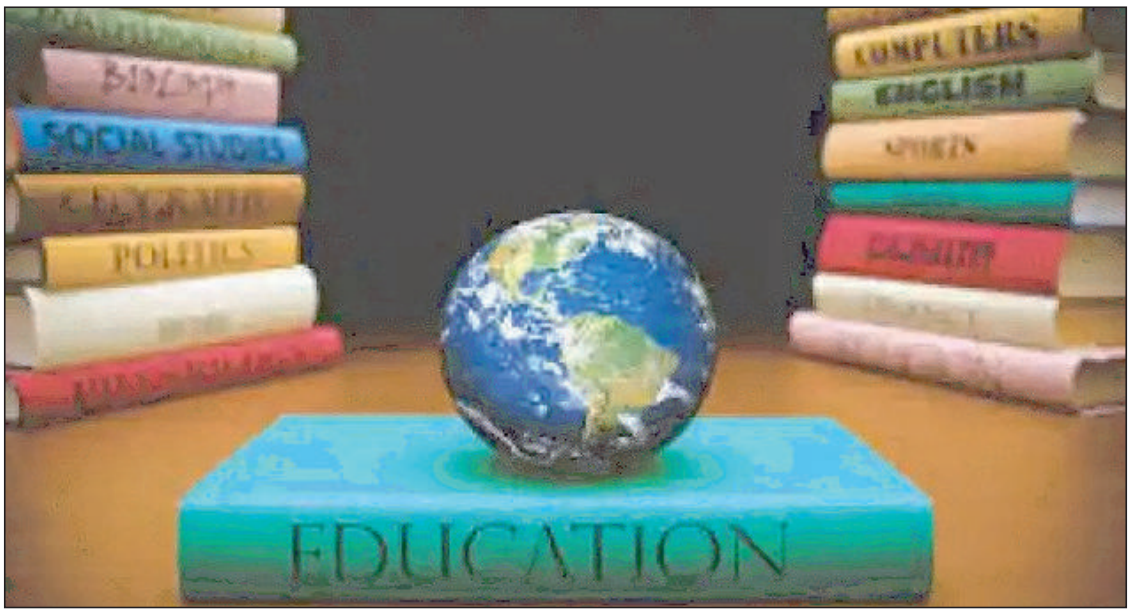

जर्मनी

सबसे पहला नाम है जर्मनी। इस देश को मुख्यतः इंजीनियरिंग की क्षमता के अलावा नवाचार के तौर पर जाना जाता है। यहां के अधिकांश सरकारी विश्वविद्यालयों में बिना कोई फीस लिए ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री करवाई जाती है। यहां तक कि नामांकन औय एडमिनिस्ट्रेशन के लिए भी फीस नहीं ली जाती है। यहां स्टूडेंट्स के खर्चों में कटौती करने और मदद के लिए स्कॉलरशिप भी दी जाती है। जिसके बाद लोगों को नौकरी मिलने में भी आसानी होती है।

फिनलैंड

फिनलैंड को भी स्टडी के तौर पर काफी बेहतर माना जाता है। यहां पढ़ाई करना काफी सस्ता है और बहुत से कोर्स करवाए जाने के साथ ही कई स्कूल यहां पर विभिन्न प्रकार की स्कॉलरशिप देते हैं। यह देश काफी शांत और सेफ माना जाता है, जहां नौकरी के काफी अवसर हैं।

ताइवान

इस देश में कई इंटरनेशनल लेवल की अच्छी यूनिवर्सिटीज हैं। जो काफी कम फीस में अच्छी क्वालिटी वाले कोर्सेज को अलाउड करती हैं। यहां से विभिन्न प्रकार के मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, बिजनेस इनोवेशन के अलावा कई प्रकार के डिजाइनिंग और अंतरराष्ट्रीय कोर्स किए जा सकते हैं। जो रोजगार के लिए काफी कारगर हैं।

मेक्सिको

मेक्सिको में भी कनाडा की तुलना में स्टडी को लेकर बेहतर विकल्प हैं। ये देश लगातार शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति कर रहा है। यहां के कई कोर्स विद्यार्थियों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। कनाडा से यहां पर पढ़ाई काफी सस्ती और अच्छी है।

क्या आप डीमैट अकाउंट होल्डर हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर ,क्या आप डीमैट अकाउंट होल्डर हैं? अगर हां, तो आपके लिए एक काम की खबर है। दरअसल, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने डीमैट अकाउंट होल्डर के लिए एक राहत भरा ऐलान किया है। खाते से नॉमिनी को जोड़ने की आखिरी तारीख को बढ़ा दिया है। ऐसे में डीमैट अकाउंट होल्डर्स को नॉमिनी को जोड़ने के लिए अधिक दिन का समय मिल गया है। अगर अभी तक आपने अपने खाते के साथ नॉमिनी को नहीं जोड़ा है तो जल्द से जल्द इस काम को कर लें।

SEBI ने बढ़ाई नॉमिनी जोड़ने की आखिरी तारीख

सेबी की ओर से डीमैट अकाउंट में नॉमिनी को जोड़ने की आखिरी डेट को बढ़ा दिया गया है। ऐसे में खाताधरकों के पास 31 दिसंबर 2023 तक नॉमिनी को जोड़ने का अच्छा ऑप्शन है। सेबी ने खाताधारकों के लिए नॉमिनी के लिए ऑप्शन्स दिए हैं, जिससे उन्हें नॉमिनी बताने या बदलने की समय सीमा को बढ़ा दिया है।

नॉमिनी का ऑप्शन तय करने का समय बढ़ा

सेबी ने ट्रेडिंग अकाउंट होल्डर्स के लिए 'नॉमिनी का ऑप्शन' पेश करना ऑप्शनल बना दिया है। ऐसे में डीमैट खाताधारकों के लिए व्यापार करने में आसानी हो सकती है। सेबी ने फैसला निवेशकों की संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिहाज से लिया है जो उनके लिए कानूनी उत्तराधिकारियों को सौंपने में सहायता कर सकता है।सेबी की ओर से एक सर्कुलर जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि डीमैट खाताधारकों के लिए अपने पसंदीदा नॉमिनी को जोड़ने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर, 2023 तक बढ़ा दी गई है। जानकारी के लिए बता दें कि इससे पहले नॉमिनी ऑप्शन्स के लिए 30 सितंबर तक की आखिरी तारीख को तय किया गया था।आपको जानकारी के लिए बता दें कि सेबी की ओर से डीमैट अकाउंट होल्डर्स के लिए जुलाई 2021 में नॉमिनी का विकल्प प्रदान के लिए कहा गया था, जिसके बाद इसकी तारीख को आगे बढ़ाकर 31 मार्च, 2022 किया। इसके बाद 31 मार्च 2023 और फिर 30 सितंबर 2023 कर दिया गया। तारीख को आगे बढ़ाते हुए अब नॉमिनी का विकल्प प्रदान के लिए आखिरी तारीख 31 दिसंबर, 2023 कर दी गई है।

उत्तराखंड : पुरानी कार बेचने वाले ध्यान दें, पहले निपटा लें ये जरूरी काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 30 सितम्बर : नैनीताल, उधम सिंह नगर और चंपावत इन तीन जिलों में पुरानी कार बेचने का कारोबार करने वालों के लिए एक ज़रूरी खबर आ रही है। अगर आपका भी पुरानी कार बेचने का कारोबार है तो आपको परिवहन विभाग में पंजीकरण करना होगा। बिना पंजीकरण कराए आपको गाड़ी बेचने की परमिशन नहीं मिलेगी और बिना पंजीकरण कराए खरीदी और बेचे जाने वाली गाड़ियों को ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा, जिससे उनकी मान्यता समाप्त हो जाएगी।

आपको बता दे की पंजीकरण के आवेदन से लेकर फीस जमा करने तक की सभी जानकारी आपको ऑनलाइन रूप से मिल जाएगी और पूरी प्रक्रिया भी ऑनलाइन ही होगी। परिवहन विभाग के अधिकारी हल्द्वानी में जल्द ही इस प्रक्रिया को शुरू करने जा रहे हैं। बता दें कि अब तक पुरानी कार विक्रेताओं के माध्यम से खरीदी और बेची गई गाड़ियों की निगरानी नहीं हो पाती है। ऐसे में

कई बार कुछ ऐसी गाड़ियां भी खरीदी और बेची जाती हैं जो कि आपराधिक मामलों से जुड़ी हुई थीं।

ऐसे में अब नैनीताल, उधम सिंह नगर और चंपावत, इन तीनों जिलों में पुरानी गाड़ी विक्रेताओं का पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे अपराधिक गाड़ियां के पंजीकरण के बाद इस समस्या का हल हो जाएगा। फिलहाल इसके लिए कोई भी ऑफिशियल यानी की आधिकारिक नोटिफिकेशन नहीं आई है। लेकिन जल्द ही इसके लिए एक आधिकारिक नोटिफिकेशन भी जारी की जाएगी।

UIDAI जारी करता है चार तरह का Aadhaar Card, ऐसे पहचानें अंतर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , आज की तारीख में आधार कार्ड सभी भारतीयों के लिए जरूरी है। भारत में आधार कार्ड आधिकारिक पहचान पत्र बन गया है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) देश के सभी नागरिकों को 12 अंकों की पहचान संख्या देता है। इसे आधार कार्ड (Aadhaar Card) के जरिए से सत्यापित किया जाता है।हर भारतीयों का आज आधार कार्ड एक विशिष्ट पहचान पत्र बन गया है। इसका उपयोग व्यक्ति अपनी पहचान पत्र के तौर पर भी करता है। चाहे आपको सरकारी काम करवाने हो या फिर ट्रेन में सफर हर जगह पहचान के लिए आपको आधार कार्ड पेश करना होता है। धीरे-धीरे आधार कार्ड का प्रयोग और अनिवार्यता लगातार बढ़ती जा रही है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण UIDAI आधार कार्ड के जरिए नागरिकों को सत्यापन के लिए 12 अंकों की एक पहचान संख्या देता है। जिसका इस्तेमाल लोगों की पहचान करने में किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आधार कार्ड चार प्रकार के होते हैं?

आपको बता दें कि यूआईडीएआई चार तरह का आधार कार्ड चार जारी करता है। यानी आप अपना आधार कार्ड चार तरीकों से बनवा सकते हैं। यह आधार लेटर निशुल्क होता है। अगर आपका ओरिजिनल आधार कार्ड कहीं खो जाता है तो आप नया आधार कार्ड बनवा सकते है। इसके लिए आप UIDAI की वेबसाइट से ऑनलाइन ही आधार लेटर को 50 रुपये का शुल्क के साथ बदलने का ऑर्डर दे सकते हैं।

1. आधार लेटर (Aadhaar Letter)

आधार लेटर एक पेपर बेस्ड लैमिनेटेड लेटर डॉक्यूमेंट है। इस पर जारी करने का डेट और एक कोड प्रिंट होता है। अगर अपना आधार लेटर नि शुल्क बनवा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने बायोमेट्रिक में कोई जानकारी अपडेट करनी होती है।

2. आधार पीवीसी कार्ड (Aadhaar PVC Card)

आधार पीवीसी कार्ड PVC मैटेरियल का बना होता है। यह काफी हल्का होता और इसमें सुरक्षा से जुड़ी कई जानकारियां होती हैं। इसमें

डिजिटल हस्ताक्षर आधार सुरक्षित कोड भी होता है। UIDAI की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आप वर्चुअल आईडी और नामांकन के जरिए 50 रुपये शुल्क के साथ आवेदन कर सकते हैं। UIDAI इसे स्पीड पोस्ट से आवेदक के पते पर भेजता है।

3. एम आधार (M Aadhaar)

एम आधार एक मोबाइल एप्लीकेशन है। एम आधार कार्ड में जनसांख्यिकीय जानकारी, फोटो और आधार नंबर शामिल होता है। इसमें ऑफलाइन वेरिफिकेशन के लिए एक कोड भी दर्ज होता है। इसे भी आप बिना किसी फीस के UIDAI की आधिकारिक वेबसाइट डाउनलोड कर सकते हैं।

4. ई आधार (E Aadhaar)

ई आधार, आधार कार्ड एक डिजिटल यानी इलेक्ट्रॉनिक रूप है। इसे पासवर्ड सुरक्षित किया जाता है। इसमें ऑफलाइन वेरिफिकेशन के लिए एक कोड होता है। इसे आप अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर डालकर UIDAI की ऑफिशियल वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री धामी ने मुझ जैसे दरवेश पर भरोसा किया है, निराश नहीं करूंगा : मुफ्ती शमून क़ासमी

उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद के नए अध्यक्ष ने संभाला कार्यभार, कहा राष्ट्रवाद सर्वोपरि

मुफ्ती शमून कासमी वर्ष 2014 में भाजपा से जुड़े है और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय शिक्षा बोर्ड के सदस्य, भारतीय शिक्षा बोर्ड पतंजलि के सदस्य और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सामुदायिक सलाहकार के रूप में मुख्य समाज को अपना योगदान दे रहा है। वह परियोजना अनुमोदन बोर्ड, एसपीईएमएम योजना, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य भी रहे हैं।

- उत्तराखंड के मदरसों में होगा वेदपाठ और योगा, नए अध्यक्ष का संकल्प
- गंगा , गाय और देवभूमि की संस्कृति भी पढ़ेंगे मदरसा स्टूडेंट : मुफ्ती शमून

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 सितंबर , पहले मदरसों में जांच , फिर संस्कृत पढ़ाने का संकल्प और अब कुर्सी पर बैठते ही उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद के नए चेयरमैन मुफ़्ती शमून क़ासमी का बड़ा बयान । इस बयान के बाद उत्तराखंड ही नहीं देश भर के मदरसों को लेकर एक नयी बहस जन्म ले सकती है। दरअसल देहरादून में धामी सरकार ने टीम अन्ना के संस्थापक सदस्य रहे मुफ़्ती शमून क़ासमी को उनके अनुभव, काबिलियत और उनकी राष्ट्रवादी सोच का इनाम देते हुये मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद का चेयरमैन बनाया है। देहरादून में चार्ज लेते ही फुल चार्जिंग में नज़र आ रहे मुफ़्ती शमून ने पहले दिन ही बड़ा बयान देकर अपने इरादे बता दिए हैं।

उन्होंने कहा है कि कुरआन के साथ साथ मदरसों में वेद पाठ और योग शिक्षा का उनका संकल्प है । चार धाम की संस्कृति , गाय माता और पवित्र गंगा की अहमियत मदरसों में तालीम हासिल कर रहे तलबा को समझाई जाएगी जिससे बच्चों मे दोनों धर्मों और राष्ट्रवाद का एक समान ज्ञान हो सके। अब ये बात अलग है कि भले ही मदरसे में ड्राप आउट बढ़ रहा हो .... भले ही मदरसों में आधुनिक शिक्षा के नाम पर बजट का बंदरबाट हो रहा हो, ...भले ही मदरसा संचालक योजनाओं का पैसा डकार रहा हो, भले ही वजीफा ऑनलाइन होने के बाद भी खेल हो रहा हो,अब कोई भ्रष्टाचार नहीं,राष्ट्रवाद से कोई समझौता नहीं क्योंकि धामी सरकार प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरूप ही काम कर रही है ...अब नए अध्यक्ष का ये बयान मदरसा शिक्षा में राष्ट्रवाद और योग शिक्षा की उम्मीद ज़रूर जगा रहा है।

उम्मीद की जानी चाहिए कि मुफ़्ती शमून कासमी पहले के अध्यक्षों जैसा कार्यकाल न

गुज़ार कर कुछ ठोस मिसाल कायम करेंगे क्योंकि धामी सरकार का विजन है कि आप बयान बहादुर नहीं ग्राउंड पर नतीजे देने वाले और ज़िम्मेदारी पर जवाबदेह बने। ऐसे में मज़हब , सियासत और पसमांदा मुस्लिम समाज में गहरी पैठ रखने वाले मुफ़्ती शमून क़ासमी मुख्यमंत्री धामी के सामने अपनी उपयोगिता साबित करेंगे और इस फ़र्ज़ से न्याय कर मदरसों की सूरत संवारने में मिसाल कायम करेंगे।

मुफ्ती शमून क़ासमी ने प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया तो मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उन्हें युवा भारत का भरोसा बताया,मुफ्ती शमून क़ासमी ने मुख्यमंत्री धामी को मोदी विज़न को धरातल पर उतारने वाला एकमात्र ऊर्जावान मुख्यमंत्री बताया जो न केवल हर मोर्चे पर कामयाब है बल्कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश में प्रगति का इतिहास भी रच रहे है।

मुफ्ती शमून क़ासमी को उनके नए दायित्व पर बधाई देने वालो में महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ,योग गुरु स्वामी रामदेव,पतंजलि योगपीठ के अध्यक्ष आचार्य बालकृष्ण,न्यूज वायरस के संपादक सलीम सैफी सहित साधु संतो और उलेमा समाज के वरिष्ठ लोग अहम है, मुफ्ती शमून ने मुख्यमंत्री धामी सहित भाजपा शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है जिन्होंने उन्हें इस दायित्व के लायक समझा,मुफ्ती शमून ने अपने राजनीतिक गुरु भगत सिंह कोश्यारी का विशेष आभार व्यक्त किया है जिन्होंने उन्हें राष्ट्रवाद की बारीकियां सिखाई और देश सेवा के लिए प्रेरित किया।

मुफ्ती शमून कासमी वर्ष 2014 में भाजपा से जुड़े है और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय शिक्षा बोर्ड के सदस्य, भारतीय शिक्षा बोर्ड पतंजलि के सदस्य और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सामुदायिक सलाहकार के रूप में मुख्य समाज को अपना योगदान दे रहा है। वह परियोजना अनुमोदन बोर्ड, एसपीईएमएम योजना, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य भी रहे हैं।

इन ब्लड ग्रुप वालों को दिल की बीमारियों का खतरा ज्यादा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , हेल्दी रहना है तो दिल का ख्याल रखें. दिल हमारे शरीर का सबसे जरूरी अंग है. आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण ज्यादातर लोग दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे. न सिर्फ बुजुर्गों बल्कि युवाओं में भी हार्ट अटैक के मामले बढ़ रहे हैं. दिल के रोगों के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए हर साल वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है.

दिल संबंधी बीमारियां लाइफस्टाइल या आनुवांशिक तौर पर ज्यादा निर्भर करती हैं. हालांकि, कई बार ब्लड ग्रुप भी इसका कारण बन सकता है. आपको जानकर हैरानी होगी ब्लड ग्रुप की वजह से भी हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है. इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि किस ब्लड ग्रुप को दिल से जुड़े रोगों का खतरा ज्यादा होता है.

रिसर्च में क्या मिला

बता दें कि ब्लड ग्रुप और दिल से जुड़े रोगों को लेकर किए गए शोध में ये बात सामने आई है कि कुछ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा रहता है. रिसर्च के मुताबिक, ए और बी ब्लड ग्रुप के लोगों को दिल के रोगों का रिस्क ज्यादा है. इन दोनों ही ब्लड ग्रुप वाले लोगों को ब्लड क्लॉटिंग का खतरा ज्यादा रहता है. यही कारण है कि इन ब्लड ग्रुप वाले लोगों को दिल की बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है. रिसर्च में ये भी कहा गया है कि बाकी के ब्लड ग्रुप के लोगों को इन ग्रुप वाले लोगों से दिल की बीमारियों का खतरा ज्यादा रहता है.

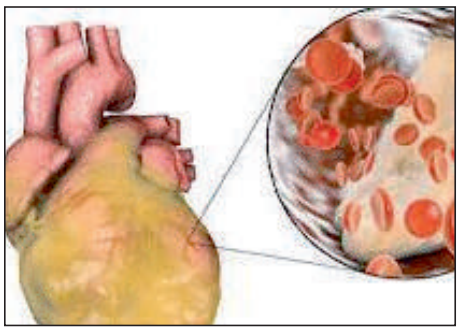

किन लोगों को कम खतरा

इसको लेकर अमेरिकी हार्ट एसोसिएशन के विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 4 लाख लोगों पर किए गए शोध में ओ ब्लड ग्रुप वाले लोगों को हार्ट संबंधी बीमारियों के कम होने की बात सामने आई है.बाकी ग्रुप की तुलना में ओ ब्लड ग्रुप वाले लोगों में हार्ट अटैक और हार्ट फेलियर के रिस्क 10 फीसदी तक कम थे.

हेल्दी लाइफस्टाइल

दिल की बीमारियों से बचने का तरीका है हेल्दी लाइफस्टाइल को फॉलो किया जाए. इसलिए हेल्दी डाइट लेने के साथ-साथ वर्कआउट करना भी जरूरी है

भारत में गूगल Earthquake Alert सर्विस शुरू करेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , बीते कुछ सालों में भूकंप की घटनाएं लगातार बढ़ गई है। हाल ही में मोरक्को में शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसमें 2 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। वहीं भारत में भी आए दिन भूकंप के झटकों की खबरें सामने आती रहती है। इस बीच अब भूकंप आने से पहले ही आपको फोन पर अलर्ट मिल जाएगा। इंटरनेट सर्च इंजन की दिग्गज कंपनी गूगल भारत में भूकंप अलर्ट सर्विस शुरू करेगी। यह सर्विस एंड्रॉयड स्मार्टफोन में सेंसर का यूज करके भूकंप का अनुमान और उसकी तीव्रता का पता लगाने का काम करेगी, जिसकी जानकारी कंपनी ने दी।

गूगल ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) और राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (NSC) के परामर्श से भारत में 'एंड्रॉइड भूकंप अलर्ट सिस्टम' पेश किया है। गूगल ने एक ब्लॉग में बताया, ₹एनडीएमए और एनएससी के परामर्श के साथ आज हम भारत में एंड्रॉइड भूकंप अलर्ट प्रणाली पेश कर रहे हैं। इसके जरिए हमारी कोशिश एंड्रॉइड यूजरों को उनके क्षेत्र में भूकंप आने की स्वचालित शुरुआती चेतावनी देना है।₹ कंपनी के मुताबिक यह सर्विस आने वाले हफ्ते में एंड्रॉइड-5 और उसके बाद के वर्जनों में उपलब्ध होगी। यह सिस्टम एंड्रॉइड स्मार्टफोन में मौजूद छोटे 'एक्सेलेरोमीटर' की मदद लेती है, जो मिनी सीस्मोमीटर (भूकंपमापी) के रूप में काम कर सकता है।

गूगल ने बताया, ₹जब फोन को प्लग इन करके चार्ज किया जाता है तो यह भूकंप की शुरुआत का पता लगा सकता है। यदि कई फोन एक ही समय में भूकंप जैसे झटकों का पता लगाते हैं, तो हमारा सर्वर इस जानकारी का उपयोग यह अनुमान लगाने के लिए कर सकता है कि भूकंप आ सकता है। फिर हमारा सर्वर आस-पास के फोन पर अलर्ट भेज सकता है। गूगल ने कहा कि इंटरनेट सिग्नल प्रकाश की गति से चलते हैं, जो जमीन के माध्यम से भूकंप के झटकों के प्रसार की तुलना में बहुत तेज है, इसलिए अक्सर गंभीर झटके आने से कई सेकंड पहले अलर्ट फोन पर पहुंच जाते हैं।

रुद्रप्रयाग : आंगन में खेल रही ढाई साल की बच्ची को उठा ले गया गुलदार, क्षेत्र में मजा कोहराम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 30 सितम्बर : अगस्त्यमुनि विकासखंड के ग्राम पंचायत गहड़ में घर के आंगन में खेल रही ढाई साल की बच्ची को गुलदार उठा ले गया। यह देखकर बच्ची की मां और ग्रामीण गुलदार के पीछे दौड़ पड़े। इसके बाद गुलदार बच्ची को झाड़ियों में छोड़कर भाग गया, लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। इस घटना के बाद से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।घटना बीती शाम करीब छह बजे की है। बताया जा रहा है कि गांव में रहने वाले विनोद कुमार की ढाई साल की बेटी मिष्टी अपने घर के आंगन में खेल रही थी। उसकी दादी कुछ दूरी पर बैठी थी, जबकि मां अपने चार माह के बेटे के साथ कमरे में थी।

इसी दौरान घात लगाकर बैठे गुलदार ने मिष्ठी पर हमला कर दिया और उसे जबड़े में दबाकर वहां से भागने लगा। दादी के शोर मचाने पर बच्ची की मां ने गुलदार के पीछे दौड़ लगा दी। यह देख खेतों में काम कर रहे ग्रामीण भी शोर मचाते हुए पीछे दौड़े तो गुलदार करीब 500 मीटर दूर झाड़ियों में मिष्ठी को छोड़ कर भाग गया। लेकिन तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी। गुलदार के हमले से बच्ची की मौत की सूचना पर जिला प्रशासन व वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई। प्रधान ताजू गुंसाई, यशवंत ने बताया कि यह गांव में पहली घटना है। उन्होंने जिला प्रशासन से गांव में पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने की मांग की है।

अक्टूबर में छुट्टियों की भरमार पूरे 16 दिन बैंक रहेंगे बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , अक्टूबर का महीना त्योहारों से भरा हुआ है इसलिए इस महीने काफी छुट्टियां देखने को मिलेंगी। जिसके कारण बैंक 16 दिन बंद रहने वाले हैं। त्योहारी सीजन में आपका कोई काम ना अटके इसलिए यहां हम आपके लिए लाए हैं अक्टूबर महीने की बैंक हॉलीडे की लिस्ट, जिसे देखकर आप अपने काम और घूमने की, दोनों की प्लानिंग आसानी से कर सकते हैं।

अक्टूबर 2023 में बैंकों की छुट्टियां --

1 अक्टूबरः रविवार 2 अक्टूबर : गांधी जयंती (राष्ट्रीय अवकाश) 8 अक्टूबरःरविवार 14 अक्टूबरः महालया (पश्चिम बंगाल) 14 अक्टूबरः दूसरा शनिवार 15 अक्टूबरः रविवार 18 अक्टूबर : कटि बिहू (असम) 21 अक्टूबर : दुर्गा पूजा (महा सप्तमी) (असम, मणिपुर, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल) 22 अक्टूबरः रविवार 23 अक्टूबर : दशहरा (महा नवमी)/ (आंध्र प्रदेश, असम, कर्नाटक, केरल, नागालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल) 23 अक्टूबर :आयुध पूजा/दुर्गा पूजा/विजय दशमी (आंध्र प्रदेश, असम, कर्नाटक, केरल, नागालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल) 24 अक्टूबरः दशहरा (विजयादशमी)/दुर्गा पूजा (आंध्र प्रदेश और मणिपुर को छोड़कर हर जगह) 25 अक्टूबरः दुर्गा पूजा (दसैन) (सिक्किम) 26 अक्टूबरः दुर्गा पूजा (दसैन)/विलय दिवस (सिक्किम, जम्मू और कश्मीर) 27 अक्टूबर : दुर्गा पूजा/दसैन (सिक्किम) 28 अक्टूबर : लक्ष्मी पूजा (पश्चिम बंगाल) 28 अक्टूबर : दूसरा शनिवार 29 अक्टूबरः रविवार 31 अक्टूबर : सरदार पटेल की जयंती (गुजरात)

हालांकि बैंकों के बंद होने की वजह से ऑनलाइन सेवाओं और एटीएम के ट्रांजेक्शन सर्विस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, आप आराम से ATM से पैसे निकाल पाएंगे। आपको बता दें कि आरबीआई हर महीने की छुट्टियों का कैलेंडर अपडेट करता है, जिसमें कुछ त्योहारों पर तो पूरे भारत में छुट्टी होती है लेकिन कुछ हॉलीडे लोकल आधार पर होते हैं, जो कि क्षेत्रीय बैंक की शाखाएं अपने हिसाब से तय करती हैं।

ताकत का खजाना है मछली का तेल!

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , सेहतमंद रहने के लिए मछली खाना बहुत फायदेमंद कहा जाता है. इसे ताकत के लिए वरदान कहा जाता है और इसके सेवन से कई बीमारियां दूर हो जाती हैं. लेकिन कम लोग जानते हैं कि मछली के साथ साथ मछली का तेल भी शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है. इसके अंदर मौजूद पोषक तत्व ना केवल बॉडी को मजबूत करते हैं बल्कि ये त्वचा के लिए भी अच्छा माना जाता है. चलिए जानते हैं कि मछली के तेल के क्या क्या फायदे होते हैं.

मछली के तेल के फायदे

मछली का तेल दरअसल मछली के ऊतकों यानी टिश्यूज से निकाला जाता है. मछली के तेल में ओमेगा 3, फैटी एसिड के साथ साथ ढेर सारे पोषक तत्व भी होते हैं. मछली का तेल दिल की सेहत के लिए बहुत अच्छा कहा जाता है. इस तेल की मदद से शरीर का कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम अच्छी तरह काम करता है. इस तेल के सेवन से दिल संबंधी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है और धमनियों में रक्त के थक्के जमने के चांस कम होते हैं.

मछली के तेल के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है और ऑस्टियोपोरोसिस का रिस्क कम हो जाता है. इसके नियमित सेवन से गठिया जैसी बीमारी में काफी राहत मिलती है और बोन डेंसिटी बढ़ती है.

हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि मछली के तेल में इंसुलिन सेंसेविटी को बढ़ाकर डायबिटीज में राहत देने के गुण पाए जाते हैं. डायबिटीज 2 पीड़ित मरीजों के लिए काफी अच्छा माना जाता है और इसके सेवन से ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सफलता मिलती है. इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए मछली के तेल को काफी कारगर कहा गया है. इसके उपयोग से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और शरीर का ऑटोइम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है.

मछली के तेल में हाई ब्लड प्रेशर को कम करने के गुण पाए जाते हैं. मछली के तेल में पाए जाने वाले इकोसैपेंटेनोइक एसिड और डोकोसाहेक्सैनोइक एसिड की मदद से बीपी कंट्रोल करने में मदद मिलती है.

मछली के तेल को कैंसर से बचाव में सहायक माना गया है. इसमें पाए जाने वाले ओमेगा 3 एसिड की मदद से शरीर में नॉर्मल कोशिकाओं के विकास को बढ़ाने में मदद मिलती है. इसकी मदद से ब्रेस्ट कैंसर, प्रोटेस्ट और कोलन कैंसर से बचाव करने की संभावना बढ़ती है.

माइनस में भी जा सकता है आपका बैंक खाता, RBI का नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , आजकल बैंक खाते में बैलेंस मेंटेन रखने का नियम है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के निर्देशों के अनुसार, ऐसा नहीं करने पर बैंक चार्ज लगाते हैं, जो भरना अनिवार्य होता है, लेकिन जब बैंक अकाउंट खाली होता है, तब क्या होता है? बैंक चार्ज लगाते हैं या खाता माइनस में चला जाता है, जानने के लिए आपको रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के इस नियम के बारे में जरूर पता होना चाहिए...

एरिया के हिसाब से बैंक चार्ज लगाते

RBI के निर्देशानुसार, बैंक को खाते में मिनिमम बैलेंस मेंटेन कराने के लिए कहा गया है। हर बैंक ने इसका एक अमाउंट फिक्स किया है। इस फिक्स अमाउंट से कम बैलेंस होने पर चार्ज लगाया जाता है। अलग-अलग बैंक अलग-अलग चार्ज लगाते हैं। यह एरिया के हिसार से हो सकता है। शहरी इलाकों में ज्यादा जुर्माना लगाया जाता है। ग्रामीण इलाकों में कम लगाया जाता है

SMS-ईमेल या लेटर भेजकर बताएंगे

RBI के निर्देशानुसार, बैंकों को ग्राहकों को मिनिमम बैलेंस नहीं होन के बारे में बताना होगा। यही एक महीने के अंदर बैलेंस मेंटेन नहीं होता हो जुर्माना लगाने के निर्देश हैं। बैंक इसके लिए SMS, ईमेल या लेटर भेजेंगे। बैंक ग्राहकों को बैलेंस मेंटेन करने के लिए समय देते हैं, जो एक महीने तक का ही हो सकता है। इस समयसीमा के बाद बैंक ग्राहकों को बताकर जुर्माना लगाएंगे।

चार्ज लगाने के लिए बैंक स्लैब भी बनाते

RBI के निर्देशानुसार, मिनिमम बैलेंस मेंटेन रखने में जितना अमाउंट कम होगा, जुर्माना उसी रेशो में लगाया जाएगा, यानी चार्ज तय प्रतिशत के आधार पर ही लगाया जाएगा। इसके लिए बैंक एक स्लैब भी बनाते हैं। चार्ज वैलिड होना चाहिए और औसत लागत से अधिक नहीं होना चाहिए। ध्यान रहे कि मिनिमम बैलेंस न होने लगने वाला जुर्माना अकाउंट को नेगेटिव या माइनस में न पहुंचा दे।

मिडिल क्लास को सस्ते आवास देने की तैयारी में सरकार!

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र की मोदी सरकार मिडिल क्लास को लेकर एक बड़ी योजना को लॉन्च करने की तैयारी में है। इससे पहले सरकार ने मध्यम वर्ग को बड़ी राहत देते हुए घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में 200 रुपए की कटौती की थी। वहीं कोरोना महामारी के बाद से बंद पड़ी गैस सब्सिडी को सरकार ने फिर से चालू करने की घोषणा की थी। केंद्र सरकार शहरी मध्यम वर्ग के लिए नई आवास योजना लॉन्च करने जा रही है। पीएम ने इस साल 15 अगस्त को लाल किले से दिए भाषण में इस योजना का जिक्र किया था।

शहरी मध्यम वर्ग को मिलेगा लाभ

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की मानें तो सरकार इस नई आवास योजना में अगले 5 वर्षों में 600 अरब रुपए खर्च करेगी। इस योजना के तहत 9 लाख रुपए के लोन पर सरकार 3-6.5 फीसदी की दर से ब्याज सब्सिडी देगी। इस योजना में 20 साल की अवधि के लिए लिया गया 50 लाख रुपए से कम होम लोन वाला व्यक्ति पात्र होगा। ब्याज की छूट होम लोन लाभार्थियों के खाते में एडवांस जमा की जाएगी। यह योजना 2028 तक के लिए लागू की जा सकती है।

सरकार के निशाने पर मध्यम वर्ग

बैंक अधिकारियों की मानें तो सरकार इस योजना को लेकर बैंको के साथ जल्द ही एक बैठक कर सकती है। सरकार ने अपने स्तर पर लाभार्थियों की पहचान करना शुरु कर दिया है। बता दें कि इस साल के अंत तक 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। वहीं अगले साल अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। इसी क्रम में सरकार शहरी मध्यम वर्ग को साधने में जुटी है। पीएम ने हाल ही में अपने जन्मदिन पर विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की थी। वहीं महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार जल्द ही ईंधन की कीमतों में कमी कर सकती है।

वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम घोषित, अश्विन को मिला मौका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 30 सितम्बर : भारत की मेजबानी में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप 2023 का बिगुल जल्द ही बजने वाला है. टूर्नामेंट का आगाज 5 अक्टूबर से होगा. मगर उससे पहले सभी 10 टीमों को 2-2 प्रैक्टिस मैच भी खेलने हैं. टूर्नामेंट के लिए सभी 10 देशों ने अपने स्क्वॉड का ऐलान पहले ही कर दिया था.

मगर इस स्क्वॉड में बदलाव के लिए आखिरी तारीख 28 सितंबर रखी गई थी. ऐसे में भारतीय टीम ने इस दिन अपनी स्क्वॉड में एक बड़ा बदलाव कर फाइनल टीम घोषित कर दी है. चोट से जूझ रहे स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बाहर किया गया है. चोटिल अक्षर को किया बाहर, अश्विन की एंट्री उनकी जगह ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को टीम में शामिल किया गया है. अश्विन को हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में भी मौका दिया था, जहां उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया था. जबकि अक्षर सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे तक भी फिट नहीं हो सके थे.

भारतीय टीम को वर्ल्ड कप से पहले 2 प्रैक्टिस मैच खेलने हैं. टीम को अपना पहला प्रैक्टिस मैच 30 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ गुवाहाटी में खेलना है. इसके लिए पूरी टीम गुवाहाटी पहुंच गई है. प्रैक्टिस मैच के लिए गुवाहाटी पहुंची भारतीय टीम बता दें कि वर्ल्ड कप से पहले सभी वॉर्मअप मुकाबले तीन वेन्यू, गुवाहाटी, तिरुवनंतपुरम और हैदराबाद में खेले जाएंगे. भारतीय टीम को अपना दूसरा प्रैक्टिस मैच तीन अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ खेला जाएगा. यह मुकाबला तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा.

वर्ल्ड कप के लिए भारत का फाइनल स्क्वाड रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या (उप कप्तान) , श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, ईशान किशन, सूर्यकुमार यादव, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मो. सिराज, मो. शमी और शार्दुल ठाकुर.

इन वॉर्म-अप मैच में सभी 15 प्लेयर खेल सकेंगे ये सभी प्रैक्टिस मैच दोपहर के दो बजे से खेले जाएंगे, जबकि टीम के सभी 15 खिलाड़ियों को इसमें भाग लेने की अनुमति होगी. भारत में पांच अक्टूबर से वर्ल्ड कप 2023 का आगाज होना है. जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा. जबकि फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को खेला जाएगा. अपने घर में होने वाले वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया एक बार फिर खिताब पर कब्जा जमाना चाहेगी.

डेंगू का मादा मच्छर ही काटे तो डेंगू क्यों होता है...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

डेंगू बुखार मच्छर के काटने से होता है. डेंगू का मच्छर दूसरे मच्छर से काफी ज्यादा अलग होता है. कहा जाता है कि मादा एडीज के काटने पर डेंगू का बुखार होता है. जोकि दुनियाभर में पाया जाता है. मादा एडीज इतनी ताकतवर होती है कि वह गर्म से गर्म जगह में सालों तक जिंदा रह सकती है. जिसकी वजह से यह भारत में ज्यादा होती है. यह इंसानों के साथ जानवर को भी काटकर उसे डेंगू का शिकार बना सकती है. लेकिन अब सवाल यह उठता है कि कैसे पता लगया जाएगा डेंगू वाला मच्छर कौन सा है? चलिए आपको बताते हैं डेंगू के मच्छर में पाए जाने वाली विशेषता.

कैसा होता है डेंगू का मच्छर ?

जिस मच्छर के काटने से डेंगू होता है उसका नाम है मादा एडीज मच्छर. अब आप सोंचेंगे कि नर एडीज नहीं काता है क्या. तो हमने कई रिसर्च किए जिसमें यह बात का पता नहीं चला कि नर एडीज काटता है. मादा एडीज नॉर्मल मच्छर से काफी ज्यादा अलग होता है. इसके पीठ पर धारियां होती है. यह मच्छर अक्सर तेज रोशनी में काटती है. डेंगू के मच्छर खासकर दिन के समय काटते हैं. वहीं रात के वक्त तेज रोशनी में यह मच्छर काटता है. इसलिए सुबह और रात में तेज रोशनी में खुद को सुरक्षित रखें तो आप डेंगू के मच्छर से बच सकते हैं.

इस मच्छर के साथ एक और खास बात यह है कि यह ज्यादा ऊंचाई तक उड़ नहीं पाती है. यह बस इंसान के घुटने तक ही उड़ पाती है. जब डेंगू फैलने लगे तो ऐसे में सबसे जरूरी है कि आप पूरे बाजू के कपड़े पहनें और पांव को ढककर रखें. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि डेंगू के मच्छर गंदे नाली या डैम में नहीं पनपते बल्कि साफ-सुथरे पानी में भी पनपने लगगे हैं. इसलिए कहीं भी पानी जमा हो तो उसे तुरंत साफ करें.

कितने दिन में दिखाई देते हैं डेंगू के लक्षण

डेंगू के मच्छर काटने के 2-3 दिन में लक्षण दिखाई देते हैं. एडीज मच्छर के काटने के 3-5 दिन में इसके लक्षण शरीर पर दिखाई देने लगते हैं. जैसे- तेज बुखार, शरीर में दर्द. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि करीब 3 हजार 500 मच्छर की प्रजातियां हैं. इसमें से कुछ ऐसी नस्लें हैं जो बिल्कुल भी परेशान नहीं करती हैं. मच्छरों की सिर्फ 6 प्रतिशत प्रजातियां ही मादाएं. जो अपने अंडों के विकास के लिए इंसान का खून पीती हैं.

भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संगठन तीन दिवसीय प्रवास पर पहुंचे उतराखंड

देहरादून। भाजपा के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संगठन वी सतीश आज अपने तीन दिवसीय प्रवास पर उत्तराखंड पहुंचे हैं। इस दौरान वह सभी कैबिनेट मंत्रियों, वरिष्ठ विधायकों, पार्टी एवं मोर्चे पदाधिकारियों के साथ केंद्रीय एवं प्रादेशिक संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा कर रहे हैं। प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चैहान ने सतीश के दौरे से संबंधित कार्यक्रमों की जानकारी देते बताया कि केंद्रीय सांगठनिक कार्यक्रमों एवं राज्य में पार्टी की गतिविधियों के समन्वय हेतु उनका यह प्रवास है। वह इस दौरान सरकार के सभी कैबिनेट मंत्रियों एवं वरिष्ठ विधायकों से अलग अलग चर्चा करेंगे। साथ ही उन्होंने आज पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त मोर्चों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से मुलाकात की जिसमे प्रमुखता युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, शामिल रहे। प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट ने बताया कि वी सतीश जी संगठन के राष्ट्रीय कार्यक्रमों का राज्य में क्रियान्वयन के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे। इसी तरह प्रदेश नेतृत्व द्वारा भी स्थानीय मुद्दों एवं सामाजिक, राजनैतिक घटनाक्रमों के अनुशार संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी। इस प्रवास का मकसद सरकार में मौजूद संगठन के प्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों से भविष्य की रणनीति को लेकर आवश्यक फीड बैक लेना और केंद्रीय नेतृत्व की अपेक्षा को लेकर मार्गदर्शन देना है।

मेरी विधायकी में हुआ ग्रामीण क्षेत्रों का चहुँमुखी विकास : प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश 30 सितंबर , क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डॉ प्रेमचंद अग्रवाल ने ग्रामसभा श्यामपुर के खेरीखुर्द में 55.97 लाख रुपए की लागत से 0.815 किमी लंबे विभिन्न आंतरिक मार्गों का भूमि पूजन कर निर्माण शुरू कराया। इस दौरान डॉ अग्रवाल ने खेरीखुर्द के वार्ड संख्या 08 और 09 के लिए 20 स्ट्रीट लाइट्स देने की घोषणा की। खेरीखुर्द में आयोजित कार्यक्रम में भूमि पूजन कर मंत्री डॉ अग्रवाल ने कहा कि उनकी विधायकी के साढ़े 16 वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों का चहुँमुखी विकास हुआ, जबकि पूर्व में यहाँ बिजली कनेक्शन तो थे, मगर लाइट नहीं आती थी। इसी तरह मुख्य मार्ग का अलावा आंतरिक सड़कें नहीं थी।

डॉ अग्रवाल ने कहा कि उनके जनप्रतिनिधि बनने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों की सूरत बदली है, ग्रामीण क्षेत्र भी अब शहरी क्षेत्रों की तरह दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना से कार्य करते है, उन्हीं के मार्गदर्शन में राज्य की धामी सरकार भी कार्य कर रही है। उन्होंने आवाहन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी जी ने राज्य को देश के अग्रणीय राज्य में शामिल करने संकल्प लिया है। आप सभी इसमें अपना योगदान करें।

इस मौके पर प्रबंधक राकेश चिल्ड्रन एकेडमी रतन सिंह पंवार, मण्डल अध्यक्ष श्यामपुर दिनेश पयाल, महामंत्री चंद्रमोहन पोखरियाल, भाजपा नेता गंभीर सिंह राणा, लोनिवि के अधिशासी अभियंता धीरेंद्र कुमार, सहायक अभियंता रमेश चौहान, कनिष्ठ अभियंता लक्ष्मी गुप्ता, राजेन्द्र रावत, सुधाकर थपलियाल, ओम प्रकाश सिंह, प्रदीप राणा, प्रधान संगठन के प्रदेश प्रवक्ता सोबन सिंह कैंतुरा, उम्मेद सिंह राणा, परमानन्द नौटियाल, रीमा रावत, प्रमिला पंवार, पूनम राणा, रोशनी गवाड़ी, प्रदीप धस्माना, गीता रावत, सुमन गैरोला आदि उपस्थित रहे।

दून वासियों के साथ धोखाधड़ी करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा : एसएसपी देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 30 सितम्बर : संदीप श्रीवास्तव सहायक महानिरीक्षक निबंधन देहरादून व जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति की जांच रिपोर्ट बाबत अज्ञात अभियुक्तगणों की मिलीभगत से धोखाधड़ी की नियत से आपराधिक षडयन्त्र रचकर उप निबंधक कार्यालय प्रथम/द्वितीय जनपद देहरादून में भिन्न-भिन्न भूमि विक्रय विलेख से सम्बन्धित धारित जिल्दों के क्रमशरू (विलेख सं0 2719/2720 वर्ष 1972 विलेख सं0 3193 विलेख सं0 3192 विलेख सं0 545 वर्ष 1969 बिलेख सं०10802/10803) के साथ छेडछाड कर अभिलेखो की कूटरचना करना के सम्बन्ध में दी गयी तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर देहरादून पर मु0अ0स0 281/2023 धारा 420/120बी/467/468/471 भादवि बनाम अज्ञात अभियुक्तगण पंजीकृत किया गया।

उपरोक्त प्रकरण की विवेचना पुलिस अधीक्षक यातायात के नेतृत्व में गठित एस0आई0टी0 द्वारा की जा रही है। टीम द्वारा रजिस्ट्रार ऑफिस से जानकारी करते हुए रिंग रोड से सम्बन्धित 30 से अधिक रजिस्ट्रियों का अध्ययन कर सभी लोगों से पूछताछ की तथा पूछताछ में कुछ प्रोपटी डीलर के नाम प्रकाश में आये जिनसे गहन पूछताछ में उक्त फर्जीवाड़े में कई लोगों के नाम प्रकाश में आये गठित टीम द्वारा कई संदिग्धों के विभिन्न बैंक अकाउण्ट का भी अवलोकन किया गया जिसमें करोड़ो रूपयो का लेन-देन होना पाया गया। इन लोगो द्वारा बनाये गये दस्तावेजों को रजिस्ट्रार कार्यालय से प्राप्त

करने पर कई फर्जीवाड़े का होना भी पाया गया।

पूर्व में गिरफ्तार अभियुक्तगण- 1- सन्तोष अग्रवाल, 2- दीप चन्द अग्रवाल, 3 मक्खन सिंह 4- डालचन्द,5-वकील इमरान अहमद 6-अजय सिंह क्षेत्री, 7-रोहताश सिंह, 8 विकास पाण्डेय, 9-कुंवर पाल उर्फ के0पी0 10- वकील कमल विरमानी को गिरफ्तार किया जा चुका है जो वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार में निरुद्ध है। इन लोगों से विस्तृत पूछताछ में कई अन्य लोगों के नाम भी प्रकाश में आये थे जिनकी जिनकी तलाश में गठित टीम द्वारा लगातार दबिश, पतारसी सुरागरसी कर रही है। पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्रकाश में आया कि राजपुर रोड जाखन में स्थित भू-स्वामी स्वरूप रानी की भूमि के भी विलेख कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर पूर्व की भांति तैयार कर मुजफ्फरनगर निवासी मांगे राम के नाम किये गये और उन्हें भी रजिस्ट्रार रिकॉर्ड रूम में चढ़ाया गया।

इस कूटरचित अभिलेख की जांच करने पर पाया कि अभियुक्त गणों द्वारा उक्त भूमि के विलेख मांगे राम के नाम तैयार करने के पश्चात इसकी मृत्योपरान्त इनकी वसीयत तैयार कर इनके पुत्र विशाल कुमार के नाम होना दर्शाया गया जिसके आधार पर यह भूमि रेखा शर्मा पत्नी संजय शर्मा को विक्रय किया गया। तत्पश्चात यह भूमि रेखा शर्मा से देहरादून निवासी कमल जिंदल को यह बेची गयी। एसआईटी टीम ने दस्तावेजों की जांच उपरांत पतारसी सुरागरसी करने हुए दि० 28.09.2021 की शाम को मुजफ्फरनगर से अभियुक्त विशाल को मु0अ0सं0 28123 धारा 420/467/468/471/120 बी भादवि0 में गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त गण से पूछताछ में यह बात प्रकाश में आयी कि अभियुक्त विशाल कुमार प्रोपर्टी डीलिंग का काम करता है तथा अभियुक्त के विरूद्ध मुजफ्फरनगर में पूर्व से कई अभियोग पंजीकृत है अभियुक्त का आपराधिक इतिहास है तथा अभि0 मुजफ्फरनगर से हिस्ट्रीशीटर भी है अभि0 प्रोपर्टी के सिलसिले में देहरादून आया करता था वर्ष 2018 में अभि0 की मुलाकात वकील कमल बिरमानी से हुई थी तथा कमल बिरमानी द्वारा ही अभि0 को जाखन में स्वरूप रानी की प्रॉपर्टी दिखायी गयी थी तथा यह भी बताया कि स्वरूप रानी की मृत्यु हो चुकी है और उनकी लडकियां बाहर नोएडा तथा विदेश में रहती है और कमल विरमानी द्वारा ही विशाल कुमार को वकील इमरान के पास भेजा गया उसके पश्चात विशाल कुमार की मुलाकात के0पी0 से करायी गयी तथा इन सभी ने मिलकर वर्ष 1978 में फर्जी विलेख पत्र बनाकर जाखन स्थित प्रॉपर्टी स्वरूप रानी से विशाल कुमार के पिता मांगेराम के नाम विलेख पत्र बनवाकर उन्हें अपने अन्य सहयोगियों की मदद से रजिस्ट्री कार्यालय में दर्ज करा दिया गया। इसके पश्चात मांगे राम के नाम से बतौर वसीयत जाखन स्थित प्रोपर्टी विशाल कुमार के नाम होना दिखाया गया और उक्त प्रोपटी को इनके द्वारा संजय शर्मा के साथ 02 करोड़ 90 लाख में सौदा तय करते हुए बतौर रजिस्ट्री संजय शर्मा की पत्नी रेखा शर्मा के नाम कर दी गयी जिसमें संजय शर्मा से इन लोगों को 45 लाख रूपये प्राप्त हुए।

इन रुपयों को उपरोक्त चारों लोगों द्वारा आपस में बांट लिया गया उक्त प्रॉपर्टी दाखिल खारिज न होने के कारण इन लोगो द्वारा पुनः उक्त भूमि को दलाल रकम सिंह के माध्यम से देहरादून निवासी कमल जिंदल को बतौर रजिस्ट्री विक्रय कर दी गयी। जिसमें इनको 40 लाख रुपये कमल जिंदल से प्राप्त हुए जिन्हें उपरोक्त सभी लोगों द्वारा आपस में बांट लिया गया। इसके उपरांत इन लोगों द्वारा उक्त प्रॉपर्टी पर कब्जे का प्रयास किया जाने लगा जिसकी जानकारी स्वरूप रानी की पुत्री मीनाक्षी सूद व किरण दवे को होने पर इनके द्वारा राजपुर थाने पर अभियुक्तगण विशाल कुमार व संजय शर्मा के विरूद्ध मु0अ0सं0 73/ 2023 दर्ज करवाया गया। मुकदमा दर्ज होने के उपरान्त कमल विरमानी व इमरान की सलाह पर विशाल कुमार व संजय शर्मा द्वारा मूल रजिस्ट्री खो जाने की बात तात्कालिक विवेचक को बतायी गयी साथ ही इनके द्वारा उक्त रजिस्ट्री खो जाने बाबत वर्ष 2022 में मुजफ्फरनगर थाना मंडी में गुमशुदगी लिखवायी गयी साथ ही मुजफ्फरनगर अखबार में भी यह बात छपाई गयी। मूल दस्तावेज प्राप्त न होने के कारण राजपुर थाना पर दर्ज इनके विरूद्ध अभियोग में धारा 420/120 बी भादवि में आरोप पत्र मा० न्यायालय प्रेषित किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदेय स्थलों के मानकीकरण एवं पुनर्निर्धारण को लेकर राजनीतिक दलों से किया विचार विमर्श

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी.षणमुगम की अध्यक्षता में शुक्रवार को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में राज्य में मतदान प्रतिशत में वृद्धि के लिए मतदान के समय विशेषकर शहरी क्षेत्रों में मतदान के प्रति मतदाताओं की उदासीनता को कम करने के उद्देश्य से मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को अधिक से अधिक सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिगत ग्रुप हाउसिंग सोसायटी और ऊंची इमारतों के परिसरों तथा शहरी ६ अद्रध शहरी क्षेत्रों के आस-पास के झुग्गी-झोपड़ी समूहों के पास ही मतदान केन्द्रों को स्थापित किये जाने हेतु मतदेय स्थलों के मानकीकरण एवं पुनर्निर्धारण के संबंध में वर्तमान नियमों के परिपेक्ष्य में राज्य के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक आयोजित हुई।

बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि, प्रायः यह देखने में आया है कि, शहरी क्षेत्र के मतदाता मतदान के प्रति उदासीन रहते है, इसको ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा ग्रुप हाउसिंग सोसायटी और ऊंची इमारतों के परिसरों तथा शहरी ६ अद्रध शहरी क्षेत्रों के आस-पास के झुग्गी-झोपड़ी समूहों के पास ही मतदान केन्द्रों को स्थापित किये जाने हेतु मतदेय स्थलों के मानकीकरण एवं पुनर्निर्धारण के कार्य को समय प्रदान किये जाने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्तमान पुनरीक्षण कार्यक्रम को संशोधित किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि, वर्तमान में राज्य के सभी मतदेय स्थलों का शत प्रतिशत भौतिक सत्यापन कराये जाने के पश्चात, मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण ६ संशोधन के संबंध में विभिन्न स्तरों से प्राप्त सुझाव ६ प्रस्तावों के आधार पर जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा नियत प्रारूप पर मतदेय स्थलों का आलेख्य प्रकाशन करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है, जिसकी प्रति जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों को भी यथासमय उपलब्ध करायी गयी है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में स्थापित 11647 मूल मतदेय स्थल एवं आलेख्य मतदेय स्थलों की सूची पर प्राप्त प्रस्तावों पर जनपद स्तर पर मान्तया प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ विचार-विमर्श करने के उपरान्त जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से प्राप्त विवरण के अनुसार मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण ६ संशोधन ६ परिवर्तन प्रस्ताव डंदनंस वद च्वससपदहै जंजपवदे तथा आयोग से समय-समय पर प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार कर आयोग के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किये गये है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि उक्त पुनर्निधारण में मतदाताओं के लिए 02 किमी से अधिक पैदल दूरी के कारण 99 मतदेय स्थल नये प्रस्तावित किये गये है तथा वर्तमान में मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक होने के कारण 5 मतदेय स्थलों की संख्या को बढाया गया है। इस प्रकार के कुल 104 मतदेय स्थलों की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त एक ही भवन में एक से अधिक मतदेय स्थलों की समीक्षा में 27 मतदेय स्थलों को समायोजितध्विलय कर कम किया गया। 121 मतदेय स्थलों के कुछ ग्राम, वार्ड, मुहल्ले (अनुभाग) आदि को मतदाताओं की सुविधा के दृष्टिगत उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत अन्य मतदेय स्थल में सम्मिलित किया गया है। 524 मतदेय स्थल भवनों से संबंधित शिक्षण संस्थानों के उच्चीकरण, मतदेय स्थल भवनों के नाम में परिवर्तन ६ संशोधन के फलस्वरूप मतदेय स्थल ६ भवन के नाम में परिवर्तन तथा 187 मतदेय स्थल भवन के क्षतिग्रस्त होने, अथवा जीर्ण-शीर्ण होने के कारण उसी मतदान क्षेत्र के अन्तर्गत अन्य उपयुक्त शासकीय भवन में, भवन परिवर्तन का प्रस्ताव है।

10 साल की प्रियांशी भीड़ गयी तेंदुए से !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कभी-कभी बच्चे साहस की ऐसी मिसाल पेश कर देते हैं जो बड़े-बड़े भी नहीं कर पाते। उत्तराखंड राज्य के पौड़ी जिले से ऐसी ही एक मिसाल की खबर आ रही है। 10 साल की एक बच्ची जिसका नाम प्रियांशी है उसने एक तेंदुए से अपनी और अपने भाई की जान बचा ली। हालांकि उसके भाई को हल्की सी खरोच आई है और अभी वह निगरानी में है लेकिन लोगों का कहना है इस बच्ची ने एक ऐसे साहस का परिचय दे दिया जो शायद एक बड़ा व्यक्ति नहीं दिखा पाता।

बड़ी चालाकी से अपने भाई की बचाई जान

इस घटना के बाद वन विभाग से तेंदुए के खतरे को देखते हुए एक टीम को अलर्ट कर दिया गया है क्योंकि यह पहली बार नहीं था जब किसी तेंदुए ने हमला करने की कोशिश की है इसके पहले भी इस गांव और जिले में तेंदुआ देखा गया है। तो चलिए आज प्रियांशी की साहस की कहानी आपको विस्तार से बताते हैं। गढ़वाल वन प्रभाग के वन क्षेत्राधिकारी ने बताया, कि वह 10 वर्ष की बच्ची अपने छोटे भाई के साथ अपने घर के बरामदे में बैठकर पढ़ रही थी। तभी तेंदुए ने उसके छोटे भाई पर हमला कर दिया और उसके नाखून से उसके छोटे भाई को एक खरोच गई

अचानक हुए इस हमले के बात भी प्रियांशी ने अपना होश संभाला और बड़ी चालाकी से अपने भाई को कुर्सी सहित पीछे की ओर खींचा और सामने रखे बेंच को तेंदुए की तरफ पलट दिया और इस प्रकार उसने अपने और अपने भाई की जान बचाई। रिपोर्ट्स के मुताबक, यह घटना खिर्सू

ब्लॉक के गांव भटोली में हुई बच्चों की चीख पुकार सुनकर उनके माता-पिता और परिवार के बाकी सदस्य बरामदे में पहुंचे लेकिन तब तक तेंदुआ भाग गया था।

तेंदुए के हमले में घायल होने पर बच्चे के परिजनों को तत्काल दो हजार रुपये दिए गए वहीं बाकी पैसे भी उन्हें जल्द दे दिए जाएंगे। वन अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से वन विभाग की टीम को गांव में तैनात कर दिया गया है। इस प्रकार की घटना पहली बार नहीं हुई है, इसके पहले भी तेंदुआ को आसपास के इलाकों में देखा गया था, और वन विभाग अभी भी तेंदुआ के तलाश में अपना काम कर रही हैं।

भारती फाउंडेशन महिलाओं के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ कार्यस्थल के रूप में सम्मानित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। शिक्षा, रोजगार और व्यावसायिक उन्नति के क्षेत्र में अवसर प्रदान करने की दिशा में किये जा रहे प्रयासों पर गर्व करते हुए भारती फाउंडेशन के अधिकारियों ने बताया कि निष्पक्षता और पारदर्शिता पर लगातार जोर दिया जाता है। हाल ही में, कार्यस्थल की संस्कृति और नैतिक मूल्यों के अवलोकन से सम्बंधित एक वैश्विक ख्याति प्राप्त संस्था, ''ग्रेट प्लेस टू वर्क'' द्वारा फाउंडेशन को 'महिलाओं के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ 100 कार्यस्थल 2023' के रूप में सम्मानित किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि शिक्षा और रोजगार के द्वारा महिलाओं का सशक्तीकरण करना भारती फाउंडेशन की एक दृढ़ प्रतिबद्धता रही है। खासकर ग्रामीण भारत की महिलाओं के लिए जिनके पास उनके परिवेश में सीमित सुविधाएं हैं। फाउंडेशन के सत्य भारती स्कूलों में 76 प्रतिशत महिलाएँ अध्यापिका के रूप में कार्यरत हैं और 61 प्रतिशत महिलाएँ नेतृत्व करने वाले पदों पर कार्यरत हैं। इसके अलावा, सत्य भारती स्कूल के कुछ पूर्व छात्राएं उन विद्यालयों में जहां उन्होंने पढ़ाई की थी, वहीं अध्यापिका के रूप में लौट आईं हैं, और अपने समुदाय में एक मिसाल बनकर उभरीं हैं। यह इस बात का साक्ष्य है कि फाउंडेशन ने शिक्षा के द्वारा बेटियों के जीवन में बदलाव लाने के लिए संकल्पबद्ध है।

संपादकीय

जुड़ेंगे नहीं, तो जीतेंगे कैसे

'जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया'...यह नारा विपक्षी गठबंधन के आपसी रिश्तों और मजबूत गठबंधन को परिभाषित करना चाहिए, लेकिन सटीक नहीं बैठता। यह महज एक जुमला-सा लगता है, क्योंकि गठबंधन के घटकों की हकीकत में गंभीर विरोधाभास हैं। ताजातरीन घटनाक्रम पंजाब का है। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया कि सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के 32 विधायक उनके संपर्क में हैं। कांग्रेस सभी 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यदि हमारी सरकार बनी, तो 2 महीने में ही 'आप' की सरकार गिर जाएगी। यह राजनीतिक बयान हो सकता है, लेकिन गठबंधन का आभास तक नहीं होता। यह भाषा परम दुश्मन राजनीतिक दल की है। बवाल तब गंभीर हुआ, जब पंजाब के कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा को नशीले पदार्थ और हथियारों की तस्करी के एक पुराने मामले में गिरफ्तार किया गया। यह 2015 का केस है। गिरफ्तार होते ही कांग्रेस ने कपड़े फाडने शुरू कर दिए और राज्यपाल से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई। दिल्ली में कांग्रेस नेता उदित राज ने यहां तक बयान दे दिया कि चूंकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीडन किया जा रहा है, लिहाजा कांग्रेस 'आप' के साथ गठबंधन नहीं करेगी। इस बयान का शीर्ष स्तर ने खंडन तक नहीं किया। तो फिर यह गठबंधन कैसा है? ऐसे राजनीतिक विवाद सूबे-सूबे जारी हैं, लिहाजा 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता और लामबंदी लगातार सवालिया रही है। 'राजधर्म' और 'राजनीतिक धर्म' के तर्क दिए जाते हैं कि पार्टी और सरकार की भूमिकाएं अलग-अलग हैं, लेकिन ये राजनीतिक तर्क नहीं, बयान भर हैं। 'आप' के संयोजक केजरीवाल ने यह स्पष्ट किया है कि 'आप' विपक्ष के गठबंधन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम गठबंधन धर्म निभाएंगे, लेकिन पंजाब में नशे को खत्म करने को भी हम प्रतिबद्ध हैं। इस संदर्भ में किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाएगा। केजरीवाल गोलमोल कर गठबंधन पर बात कर रहे हैं। पंजाब के अलावा राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस को खूब गरियाया है। उन राज्यों में 'आप' विधानसभा चुनाव लडने के भी मूड में है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने अपने लोकसभा नेता अधीर रंजन चौधरी को निरंकुश छोड़ रखा है। वह बयान दे रहे हैं कि ममता बनर्जी की सरकार को अब भगवान भी नहीं बचा सकते। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और वाममोर्चे के बीच भी तनातनी बनी रहती है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस और सपा ने आपसी विरोध के मोर्चे खोल रखे हैं। सपा वहां विधानसभा चुनाव भी लड़ेगी। चूंकि कुछ मतदाता वर्ग साझे हैं, लिहाजा कांग्रेस को चुनावी नुकसान हो सकता है। केरल में वाममोर्चे और कांग्रेसी मोर्चे की टकराव वाली सियासत ही 'सनातन' है। सवाल यह है कि क्या 'इंडिया' गठबंधन की नियति भी वही लग रही है, जो अभी तक के तमाम गठबंधनों की रही है? विपक्षी गठबंधन के सामने प्रधानमंत्री मोदी और सबसे संगठित पार्टी भाजपा को हराने की हिमालय-सी चुनौती है। 'इंडिया' के भीतर की अपनी चुनौतियां हैं, क्योंकि विपक्षी दलों की आपसी सहमति अभी तक नहीं बनी है। कुछ और दल 'इंडिया' से जुडना चाहते थे, लेकिन अब उनके भाव बदलते जा रहे हैं। बसपा, वाईएसआर कांग्रेस, बीजद आदि कुछ ऐसे दल हैं, जो विपक्षी गठबंधन को मजबूत कर सकते हैं, लेकिन उन्हें लेकर अभी तक अनिर्णय की स्थिति है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

ईद-मिलाद-उन-नबी पर निकला जुलूस, दिया अमन शांति का पैगाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 30 सितम्बर : पैग़म्बर हजरत मोहम्मद साहब की शान में शहर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का जुलूस बीते दिन शहर काजी जनाब सैय्यद निसार अली साहब की कयादत में भारी उत्साह के साथ खुशनुमा माहौल में अमन शांति का पैगाम देते हुए निकाला गया है। डॉ जाकीर हुसैन वार्ड इमलीपुरा क्षेत्र से निकले इस भव्य जुलुस में जीप पर सवार जनाब सैय्यद निसार अली शहर काजी खंडवा,सलीम पटेल,रियाज हुसैन, अहमद पटेल, ईकबाल पहलवान क़ुरैशी,अकरम जाटू,जाहिद खान, व 30000 तीस हजार से ज्यादा संख्या में मुस्लिम समाजजन शामिल हुए।

जुलूस में शामिल लोग परचम (पताका)लेकर सरकार की आमद मरहबा, नबी की आमद मरहबा... जैसे नारे लगा रहे हैं। जुलुस का विभिन्न स्थानों पर मंच लगाकर इस्तकबाल (स्वागत) किया गया।मंच से जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत फूलों से किया जा रहा था। जुलूस में शामिल बच्चो को मिठाई, टॉफी, बिस्किट का वितरण एवं लोगों में शरबत और फल भी वितरित किए जा रहे थे ।

विभिन्न इलाकों से निकाले गए जुलूस, बड़ों से लेकर बच्चों तक में खासा उत्साह गया।

जुलूस इमलीपुरा से शुरू होकर परदेशीपुरा, बडाबम,रेलवे स्टेशन, बॉम्बे बाजार घण्टा घर नगर निगम जलेबी चौक, अमीर मेडीकल चौराहा, हातमपूरा इलाकों से निकलकर इमलीपुरा वापस पहुंचा इसमें काफी तादाद में बड़े लोगों के अलावा बच्चे भी शामिल

रहे हैं।

दिखा देश भक्ति का नज़ारा

जुलुस में शामिल लोगो ने देशभक्ति का जज़्बा भी दिखाया कई लोगों ने हाथों में तिरंगा झंडा भी ले रखा है । शहर के कहारवाड़ी, हजरत खान शाह वली वार्ड,गंज बाजार, गुलमोहर कालोनी, घासपुरा,सलूजा कालोनी, भगत सिंग,खड़कपुरा, पदमकुंड,गणेश तलाई,अमन नगर, व शहर के विभिन्न मोहल्लों के जुलुस मेन जुलूस में शामिल हुवे।

प्रशासन भी मुस्तैद रहा

जुलूस को देखते हुए जिला प्रशासन के निर्देश पर भारी संख्या में जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा। यातायात बाधित ना हो, इसके लिए लगातार पुलिस और मुस्लिम समाज व्यवस्था बनाने में लगे रहे। अहमद पटेल महामंत्री शहर कांग्रेस कमेटी,पूर्व नेता प्रतिपक्ष नगर निगम खंडवा

नींद की कमी दिमाग में प्रोटेक्टिव प्रोटीन कम करती है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 30 सितम्बर : नींद पूरी नहीं होने से कई समस्याएं होती हैं। हमारा दिमाग सही तरीके से काम नहीं कर पाता है। ये बात तो हम सब जानते हैं, लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर ऐसा क्यों होता है। क्यों नींद की कमी से हमारा दिमाग काम नहीं करता। दिमाग और नींद का क्या कनेक्शन है।

रिसर्चर्स का कहना है कि नींद का पूरा न होना हमारे दिमाग को काफी नुकसान पहुंचाता है। इससे न्यूरोलॉजिकल बीमारियां जैसे- अल्जाइमर हो सकती है।एक स्टडी में सामने आया है कि हमारे दिमाग में एक प्रोटेक्टिव प्रोटीन होता है, जिसका केवल नींद पूरी नहीं होने से कम हो जाता है। वहीं, नींद की कमी से ब्रेन का मेमोरी हब कहलाने वाले हिप्पोकैंपस को भी नुकसान पहुंचता है। इस कारण न्यूरोलॉजिकल बीमारियां हो जाती हैं।अब सवाल ये है कि गहरी नींद से याददाश्त मजबूत कैसे होती है। आइए इसका भी जवाब जानें...एक स्टडी के मुताबिक, गहरी नींद के दौरान एक वक्त ऐसा आता है जब दिमाग स्ट्रांग हो जाता है। इस दौरान याददाश्त भी मजबूत होती है। रिसर्चर्स ने स्टडी करने के लिए क्लोज-लूप सिस्टम की मदद ली। ये एक ऐसा सिस्टम है जो दिमाग के एक हिस्से में डिलिवर होने वाली इलेक्ट्रिकल प्लस को दूसरे हिस्से में स्टोरेज मेमोरी के साथ मर्ज करता है।नींद से अल्जाइमर का सीधा कनेक्शन, 7.30 घंटे की नींद सबसे बेहतरइससे पहले हुई रिसर्च में यह सामने आया था कि आधी-अधूरी नींद से अल्जाइमर बीमारी का कनेक्शन है। याद्दाश्त घटने, भ्रम सा महसूस होने और नई चीजों को देरी से समझना अल्जाइमर के लक्षण हैं।शोधकर्ताओं का कहना है, अगर आप 8 घंटे की नींद ले रहे हैं और 30 मिनट पहले अलार्म सेट करते हैं तो साढ़े सात घंटे की नींद ब्रेन पर सकारात्मक असर डालती है। अल्जाइमर डिजीज यानी चीजों को भूलने की बीमारी के खतरे को कम करती है।

पाबौ व पैठाणी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरपालीसैण थलीसैण का किया निरीक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी , 30 सितंबर , जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं और डेंगू महाअभियान की जमीनी हकीकत जानने स्वास्थ्य सचिव डॉ० आर० राजेश कुमार पौड़ी पहुंचे जहाँ स्वास्थ्य सचिव ने जिला चिकित्सालय पौड़ी के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पैठाणी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरपालीसैण व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थलीसैण का निरीक्षण किया । इस दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के निर्देश दिये साथ ही अस्पतालों में अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जाहिर करते हुए जल्द सुधार के निर्देश दिये। पौड़ी जिला चिकित्सालय में विभिन्न जांच रिपोर्ट के आंकड़ों का लेखा-जोखा व्यवस्थित रूप में नहीं रखने पर सचिव स्वास्थ्य ने सीएमएस को फटकार लगाते हुए जांच रिपोर्ट के आंकड़ों को रजिस्टर में व्यवस्थित करने के निर्देश दिए हैं।

स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने पीपीपी मोड में संचालित जिला चिकित्सालय पौड़ी का निरीक्षण किया । स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार द्वारा जिला चिकित्सालय में डेंगू वार्ड,सिटी स्कैन,पैथोलॉजी लैब, एक्स-रे कक्ष औषधि भंडार चंदन डायग्नोसिस द्वारा संचालित पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा चिकित्सालय वार्ड में भर्ती मरीजों उनके तीमारदारों से चिकित्सालय की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली जिसमें चिकित्सालय में भर्ती अनीता रावत ने चिकित्सालय की व्यवस्थाओं को लेकर कहा की यहां पर हमें उपचार मिल रहा है। उनके द्वारा डेंगू वार्ड में भर्ती मरीजों से भी बात कर उनके उपचार को लेकर चिकित्सालय प्रशासन से बात की।

पाबौ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

पौड़ी जिला चिकित्सालय के उपरांत उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाबौ का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान उपस्थिति प्रसव कक्ष में सुविधाओं का जायजा लिया साथ ही महिला सामान्य वार्ड में भर्ती मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर बात की। आईपीएचएस नॉर्म्स के मुताबिक स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा उन्होंने चिकित्सालय में साफ सफाई व उपस्थिति पंजिका का भी अवलोकन किया। मौके पर स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी/एसीएमओ डॉ रमेश कुँवर, डॉक्टर पंकज सिंह सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पैठाणी का निरीक्षण

पाबौ के उपरांत सचिव स्वास्थ्य ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पैठाणी का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपकरणों की स्थिति सहित अन्य कक्षो/वार्डो का निरीक्षण किया। उन्होंने मेडिकल स्टाफ के लिए आवासीय परिसर को लेकर पास ही में भूमि तलाश करने के निर्देश दिए हैं। सचिव ने स्वास्थ्य केंद्र की दीवारों से निकल रही पापड़ियों को देखते हुए ट्रीटमेंट करने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य केंद्र में पेयजल की निर्बाध व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। मौके पर एसीएमओ डॉक्टर रमेश कुंवर, स्वास्थ्य केंद्र के इंचार्ज डॉक्टर अंकित धवन चैतन्य मेडिकल स्टाफ मौजूद थे। आवासीय परिसर के निर्माण को लेकर सचिव ने स्वास्थ्य विभाग से प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरपालीसेण का निरीक्षण

सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार ने इसके बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिरपालीसैण का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मेडिकल स्टोर में रखी दवाओं की भी जांच पड़ताल की साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के परिसर का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थलीसैण का किया निरीक्षण

तिरपालीसैण के बाद स्वास्थ सचिव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थलीसैण का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने मेल वार्ड, प्रसव कक्ष, अल्ट्रासाउंड कक्ष, शल्य कक्ष, दवाखाना का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सालय में सर्जन और ऑर्थो की तैनाती की आवश्यकता बताई गई। जिस पर सचिव ने प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मौके पर एसीएमओ डॉ रमेश कुंवर, प्रभारी चिकित्साधिकारी सीएचसी थलीसैण शैलेन्द्र सिंह रावत, डिप्टी सीएमओ पारुल गोयल व अन्य मेडिकल स्टाफ मौजूद थे।

खून लाल तो हाथों की नसें नीली क्यों दिखती हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 सितंबर , हमारा शरीर भी किसी पहेली से कम नहीं. आपने अपने शरीर में ऐसी कितनी ही चीजें देखी होंगी जो दिखती तो नॉर्मल हैं, लेकिन उनके पीछे का लॉजकि काफी अलग और चकति कर देने वाला होता है. आपने कभी अपने हाथ की नसों पर गौर किया है? इन नसों में हमेशा लाल खून दौड़ता रहता है. आपको जब चोट लगती है, कटता या छिलता है, तब तो इन्हीं नसों में से लाल खून बाहर आता है. फरि ये नसें हमेशा नीली या जामुनी रंग की क्यों नजर आती हैं? साइंस क्या कहता है? अजबगजब नॉलेज सीरीज में आज बात इसी की.

मेडकिल साइंस के मुताबिक, खून का रंग हमेशा ही लाल होता है. लेकिन यह लाल रंग के किस शेड में होगा, यह निर्भर करता है रक्त को मिलने वाले ऑक्सीजन पर. आमतौर पर यह धारण होती है कि जिस खून में ऑक्सीजन की मात्रा ज्यादा होती है, वह ज्यादा लाल होता है, जबकि अगर खून में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो तो वह नीला होने लगता है.

लेकिन यह सच नहीं है. खून में जो ऑक्सीजन होता है दरअसल, वह रेड ब्लड सेल्स यानी लाल रक्त कणकिाओं में मौजूद होता है. रेड ब्लड सेल्स में भी वह हीमोग्लोबिन में छिपा हुआ होता है. जब भी आप सांस लेते हैं तो रेड ब्लड सेल्स ऑक्सीजन से भर जाते हैं और इनका रंग गहरा लाल हो जाता है. लेकिन जब यही रक्त शरीर के अन्य हिस्सों में जाने लगता है तो ऑक्सीजन कम होने लगता है. क्योंकि शरीर के अंग इसी से ऑक्सीजन लेते हैं. फरि इन सेल्स में कार्बनडाई ऑक्साइड भरने लगता है. लेकिन इनसे भी खून का रंग नहीं बदलता.

खून का रंग नीला या काला नहीं होता

वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. क्लेबर फेरट्रिन के मुताबिक, शरीर के सभी टिश्शू यानी ये कहें कि सभी अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाने के बाद यही खून फरि फेफड़ों में वापस जाता है. तब भी यह खून लाल रंग का ही होता है. कहने का साफ-साफ मतलब है कि कभी भी इंसान के खून का रंग नीला या काला नहीं होता. सिर्फ शेड में बदलाव आता है.

नस का नीला दिखना सिर्फ एक भ्रम

नस का नीला दिखना सिर्फ एक भ्रम है. क्योंकि नसें त्वचा की बिल्कुल पतली सी परत के नीचे होती हैं. हमें जो चीज नजर आती है वह रेटिना के वेवलेंथ पर निर्भर करती है. हमारी स्कनि में कई परतें होती हैं जो वेवलेंथ को बिखेर देती हैं, जिससे रेटिना को भ्रम हो जाता है. प्रकाश की नीली और हरी वेवलेंथ हमेशा लाल वेवलेंथ से छोटी होती है. इसलिए हमारी त्वचा लाल रंग को अवशोषित कर लेती है और नीली या हरी किरणें हमारी रेटिना से आकर टकराती हैं. यही वजह है कि लाल खून होने के बावजूद नसें नीली नजर आती हैं.

संक्षिप्त खबरें

मंत्री जोशी ने सब स्टेशन के निर्माण को विद्युत विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ की बैठक

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज कैंप कार्यालय में देहरादून सैन्य धाम के निकट पुरकूल गांव में स्थापित होने वाले सब स्टेशन (बिजली घर) के निर्माण के संबंध में विद्युत विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा मंत्री गणेश जोशी को अवगत कराया कि सब स्टेशन के लिए भूमि की तलाश की जा रही है। जिसपर मंत्री गणेश जोशी ने अधिकारियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने विद्युत विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए तत्काल भूमि के चयन के लिए संयुक्त बिजिट करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा शीघ्र अति शीघ्र पुरकुल गांव में स्थापित होने वाले सब स्टेशन के लिए भूमि का चयन कर निर्माण कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बैठक में मंत्री ने सुवाखोली में बनने जा रहे सब स्टेशन को लेकर भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा सुवाखोली में बनने जा रहे सब स्टेशन के लिए आरडीएसएस योजना के तहत भारत सरकार को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। मंत्री ने अधिकारियों को कागजी कार्यवाई जल्द से जल्द पूर्ण करने तथा निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त मंत्री गणेश जोशी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सड़े गले खम्बो की मरम्मत और जो बिजली के खंबे जीर्ण अवस्था में है उनके स्थान पर नए बिजली के खम्बो को लगाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीम नंदन कुमार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक पुंडीर, सी.ई. यूपीसीएल एम.आर.आर्य, एस.ई यूपीसीएल प्रभाकर बहुगुणा, ईई एस.डी.बिष्ट, ईई सिविल राकेश कुमार, एसडीओ राकेश कुमार, एसडीओ एस.बी.यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

वनवेब और यूटेलसैट का हुआ विलय

देहरादून। दुनिया के अग्रणी सैटेलाइट ऑपरेटरों में से एक, यूटेलसैट कम्युनिकेशंस एस ए (यूरोनेक्स्ट पेरिसरू ईटीएल) (कंपनी) ने वैश्विक लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट संचार नेटवर्क, वनवेब के साथ अपने सभी-शेयर संयोजन को पूरा करने की घोषणा की। यह विलय यूटेलसैट शेयरधारकों की आर्डिनरी और एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग में स्वीकृति के बाद किया गया। पेरिस स्थित मुख्यालय में विलय की गई इस कंपनी में 21.2 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारती एंटरप्राइजेज सबसे बड़ी शेयरधारक होगी। भारती समूह, यूटेलसैट समूह में रणनीतिक निवेशक बनने के लिए प्रतिबद्ध है। सुनील भारती मित्तल उपाध्यक्ष (सह-अध्यक्ष) होंगे और श्रविन भारती मित्तल, जिन्होंने वनवेब निवेश का नेतृत्व किया, यूटेलसैट के बोर्ड में निदेशक के रूप में भारती के नेतृत्वकर्ता होंगे। अखिल गुप्ता वनवेब के बोर्ड में निदेशक के रूप में काम करना जारी रखेंगे, जो अब यूटेलसैट की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है।